NLR INDIA
until
No Leprosy Remains

NLEP
NATIONAL
LEPROSY ERADICATION
PROGRAMME

# कुष्ठ रोग

## पहचान, निदान, बचाव और उपचार

# कुष्ठ रोग का कारण

कुष्ठ रोग
केवल कीटाणु
से होता है।

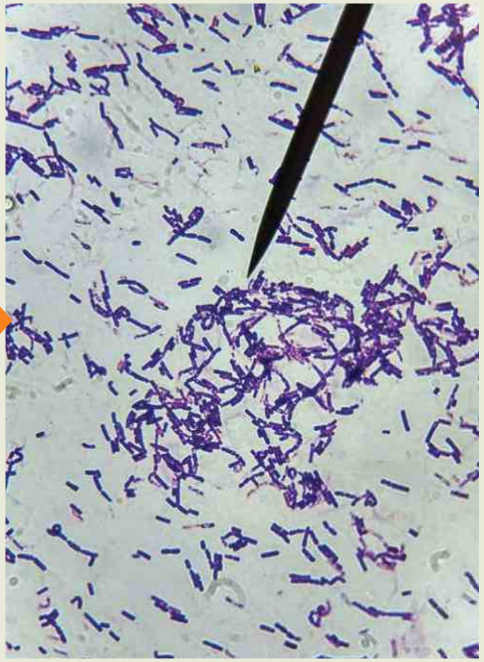

कुष्ठ रोग का दूसरा
कोई कारण नहीं है।

# कुष्ठ रोग का कारण

कुष्ठ रोग केवल कीटाणु से होता है।

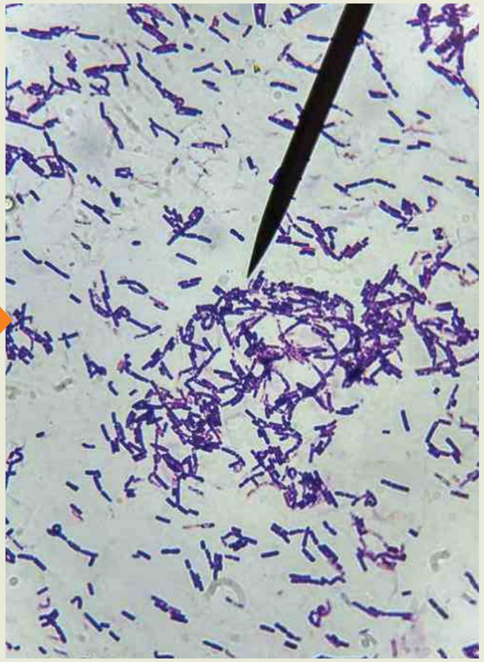

कुष्ठ रोग का दूसरा कोई कारण नहीं है।

अतिरिक्त जानकारी: कुष्ठ रोग भी अन्य रोगों की तरह ही है जो की एक विशेष प्रकार के रोगाणु से होता है जिसका नाम है माइकोबैक्टीरियम लेप्रा। यह मुख्यतः परिधीय तंत्रिकाओं और चमड़ी पर असर करता है और अगर इसका पर्याप्त रूप से इलाज नहीं कराया गया तो यह शरीर में विकलांगता और विकृति भी उत्पन्नकर सकता है।

# कुष्ठ रोग छूने से नहीं फैलता है

हम कुष्ठ रोगी
को छू सकते हैं।

कुष्ठ रोगी से
भेद भाव ना करें।

# कुष्ठ रोग छूने से नहीं फैलता है

## हम कुष्ठ रोगी को छू सकते हैं।

## कुष्ठ रोगी से भेद भाव ना करें।

अतिरिक्त जानकारीः कुष्ठ रोग का अनुपचारित व्यक्ति माइकोबैक्टीरियम लेप्री को हवा में छींकने या खांसने से प्रसारित करता है। हवा में तैरते कीटाणु स्वास द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश करते हैं।

# ऐसे लक्षण दिखें तो देरी ना करें !

यदि चमड़ी पर हल्के या लाल रंग के सुन्न दाग हैं, चमड़ी मोटी है, कान या शरीर पर कोई दाने या गांठें हैं।

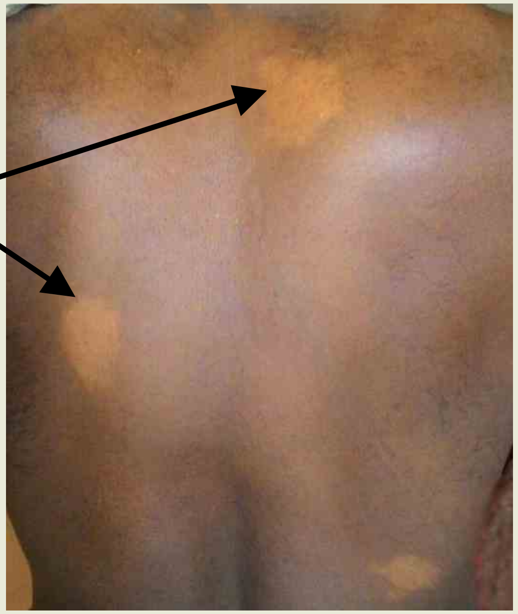

**कृपया नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत जांच करायें।**

कुष्ठ रोग की पहचान और उपचार अपंगता को रोक सकता है।

# ऐसे लक्षण दिखें तो देरी ना करें !

यदि चमड़ी पर हल्के या लाल रंग के सुन्न दाग हैं, चमड़ी मोटी है, कान या शरीर पर कोई दाने या गांठें हैं।

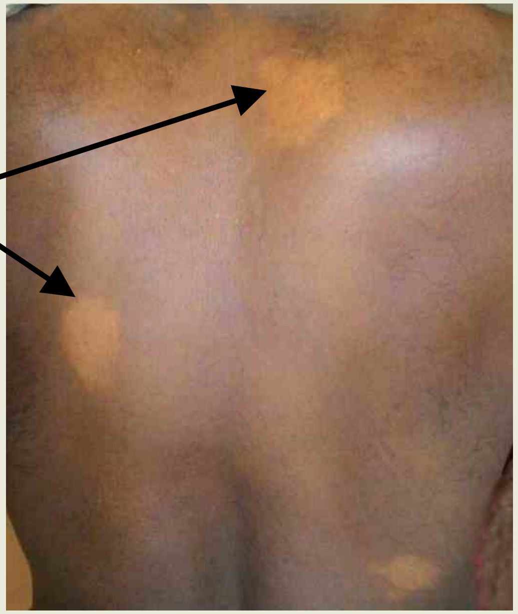

**कृपया नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत जांच करायें।**

**कुष्ठ रोग की पहचान और उपचार अपंगता को रोक सकता है।**

अतिरिक्त जानकारी: कुष्ठ रोग में प्रायः चमड़ी पर हल्के या तांबे के रंग के दाग निकलते हैं जिनमें सुन्नपन होता है, दाग समतल या उभरे हुए हो सकते हैं चमड़ी पर सूजन या दाने गठाने भी हो सकती है। सूजी हुई तंत्रिकाए, हथेली या तलवो में सूखापन सुन्नपन या हाथ या पैर में कमजोरी भी इसका लक्षण हो सकता है। कभी–कभी कुष्ठ रोग से आँखें भी प्रभावित हो सकती है।

# कुष्ठ रोग की पहचान - कितनी आसान

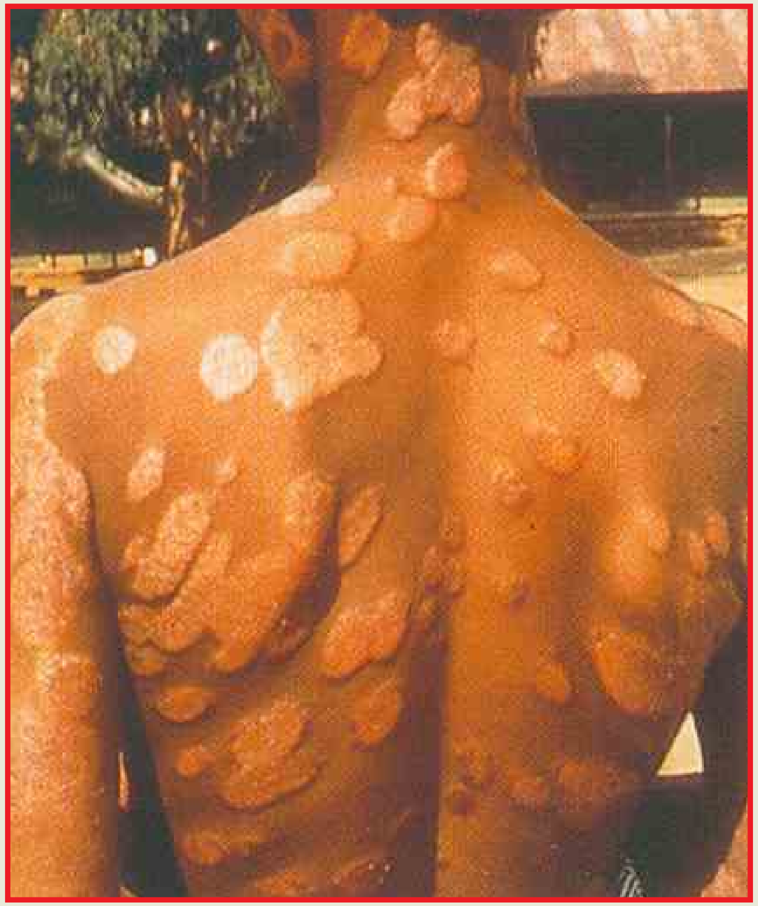

हल्के रंग के उभरे हुए कई सुन्न दाग जिनमें खुजली या दर्द नहीं होता.

# कुष्ठ रोग की पहचान - कितनी आसान

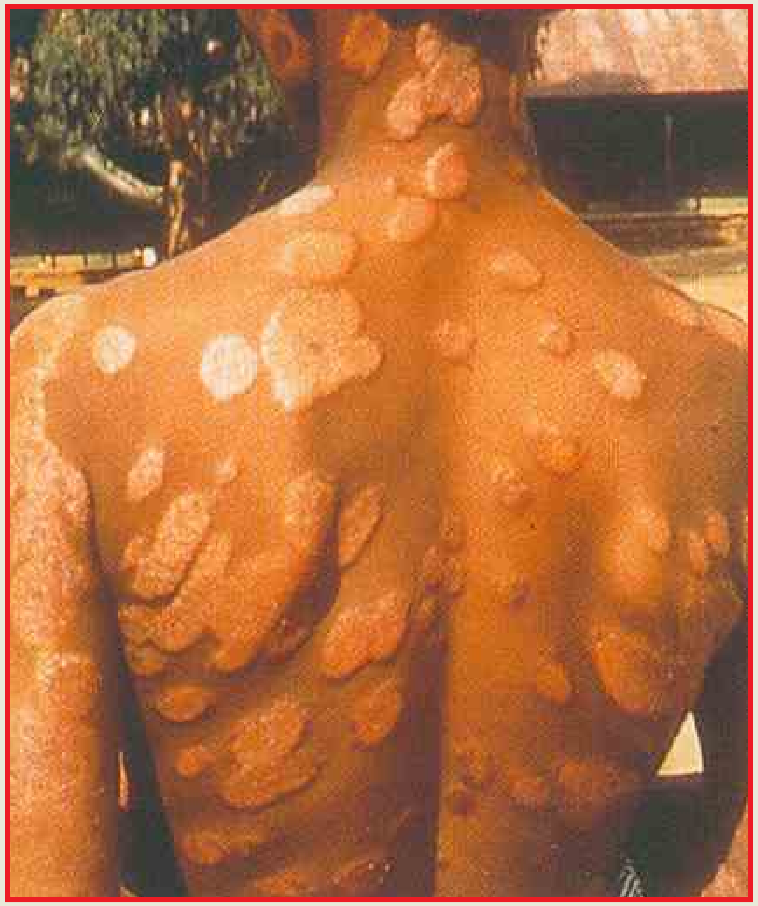

हल्के रंग के उभरे हुए कई सुन्न दाग जिनमें खुजली या दर्द नहीं होता.

# सचमुच आसान कुष्ठ रोग की पहचान –
## जाँचें - पूछें, पुष्टि करा लें

### लक्षण

- त्वचा पर हल्के रंग के दाग-धब्बे जिसमें सूखापन-सुन्नपन हो
- हाथों पैरों में झुनझुनी जलन या कमजोरी, वस्तुओं को पकड़ने एवं उठाने में कमजोरी
- चेहरे, कान या शरीर के किसी भाग की त्वचा लाल और मोटी हो गई हो, उस पर सूजन या छोटी-छोटी गाँठें हो गई हों

### सुन्नपन की जाँच

इनमें से कोई भी चिन्ह हो तो तुरंत जाँच करायें.
सभी अस्पतालों में जाँच उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है.

# सचमुच आसान कुष्ठ रोग की पहचान -
## जाँचें - पूछें, पुष्टि करा लें

### लक्षण

- त्वचा पर हल्के रंग के दाग-धब्बे जिसमें सूखापन-सुन्नपन हो
- हाथों पैरों में झुनझुनी जलन या कमजोरी, वस्तुओं को पकड़ने एवं उठाने में कमजोरी
- चेहरे, कान या शरीर के किसी भाग की त्वचा लाल और मोटी हो गई हो, उस पर सूजन या छोटी-छोटी गाँठें हो गई हों

### सुन्नपन की जाँच

इनमें से कोई भी चिन्ह हो तो तुरंत जाँच करायें.
सभी अस्पतालों में जाँच उपचार नि:शुल्क उपलब्ध है.

# एम.डी.टी.–बहु औषधि उपचार

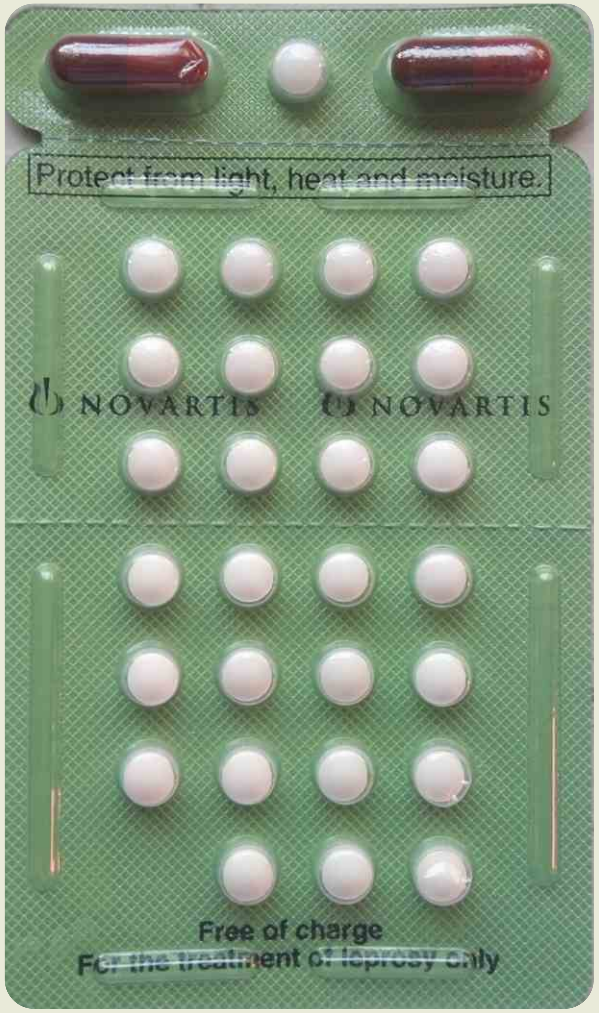


एक से पाँच दाग हो तो यह पैकेट प्रतिमाह एक, केवल छ:माह तक लिया जाता है.

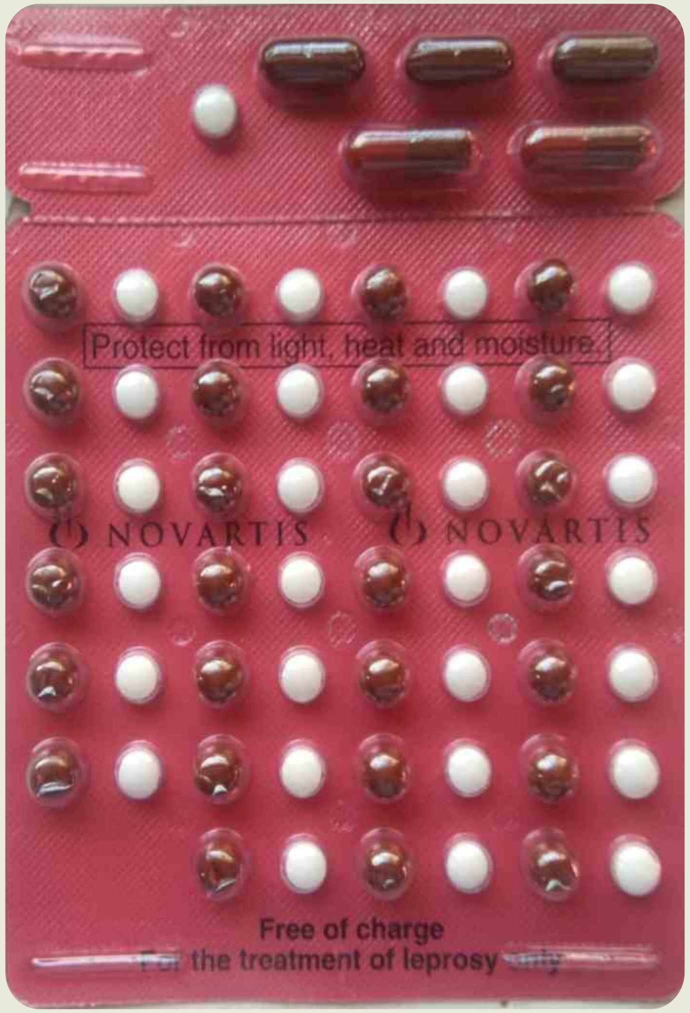


यदि पाँच से अधिक दाग है तो यह पैकेट प्रतिमाह एक, केवल 12 माह तक लिया जाता है.

# एम.डी.टी.-बहु औषधि उपचार

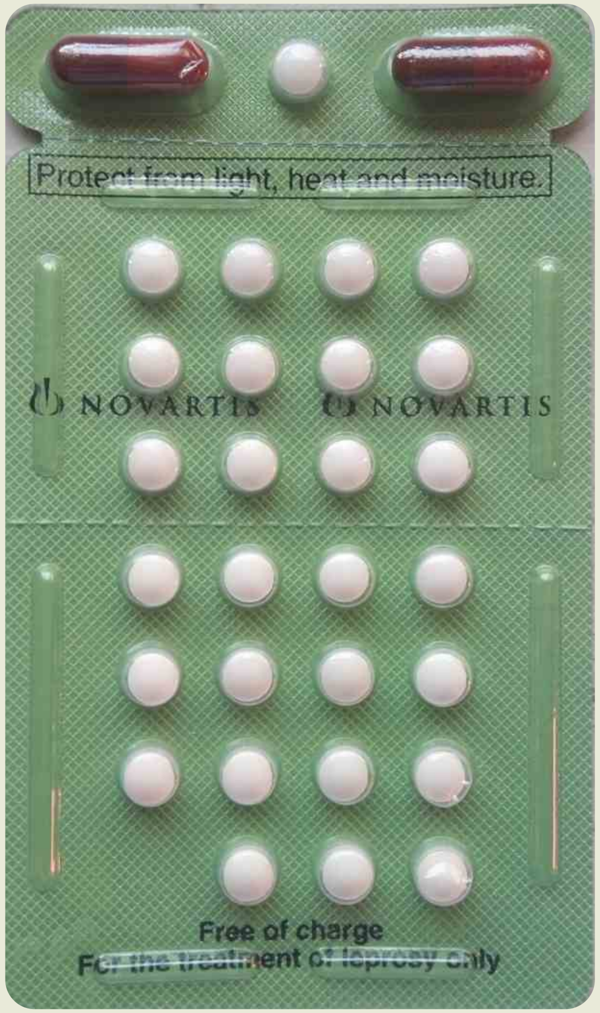


एक से पाँच दाग हो तो यह पैकेट प्रतिमाह एक, केवल छ:माह तक लिया जाता है.

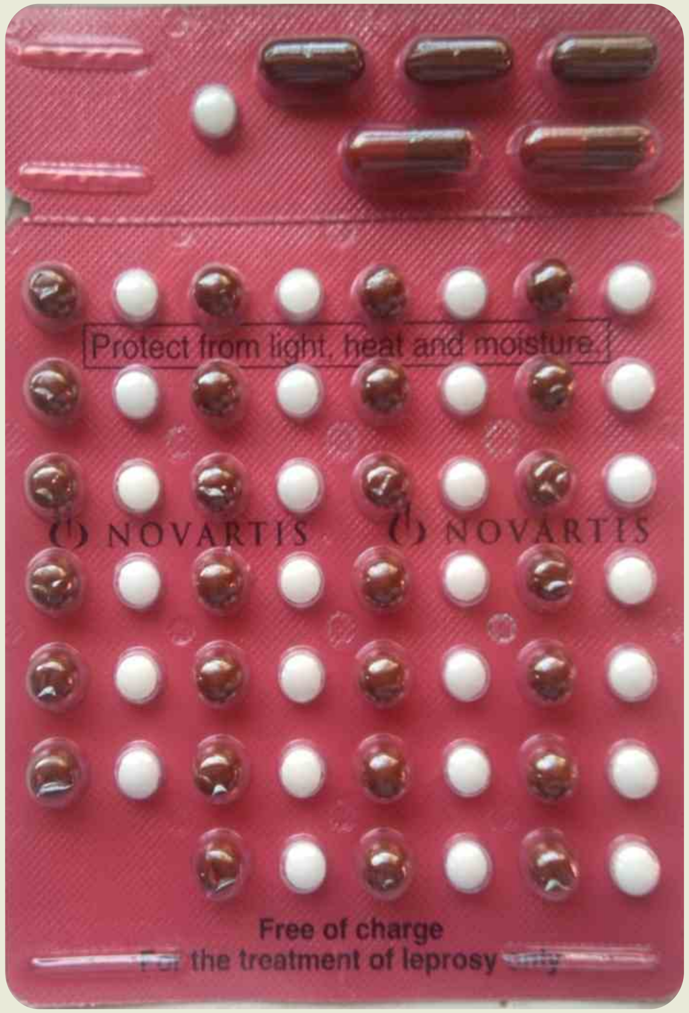


यदि पाँच से अधिक दाग है तो यह पैकेट प्रतिमाह एक, केवल 12 माह तक लिया जाता है.

# अब कुष्ठ रोग से बचाव संभव है

कुष्ठ से बचने के लिए, दो तरह के इलाज हैं

# अब कुष्ठ रोग से बचाव संभव है

## कुष्ठ से बचने के लिए, दो तरह के इलाज हैं

अतिरिक्त जानकारी: कुष्ठ रोग से बचाव का उपाय है। कुष्ठ रोग का उपचार तो निःशुल्क होता है। अब कुष्ठ रोग के होने के जोखिम को कम करने के उपाए भी निकल गए हैं। एक या दो दवाईयों के देने से कुष्ठ रोग का बचाव या रोकथाम किया जा सकता है। रिफम्पिसिंइन कैप्सूल की एक ख़ुराक या रिफम्पिसिंइन और क्लेरीथ्रोमायसिन की तीन ख़ुराक संपर्क में आए व्यक्तियों को देने से कुष्ठ रोग होने का जोखिम कम किया जा सकता है।

# दवाओं के दुष्प्रभाव

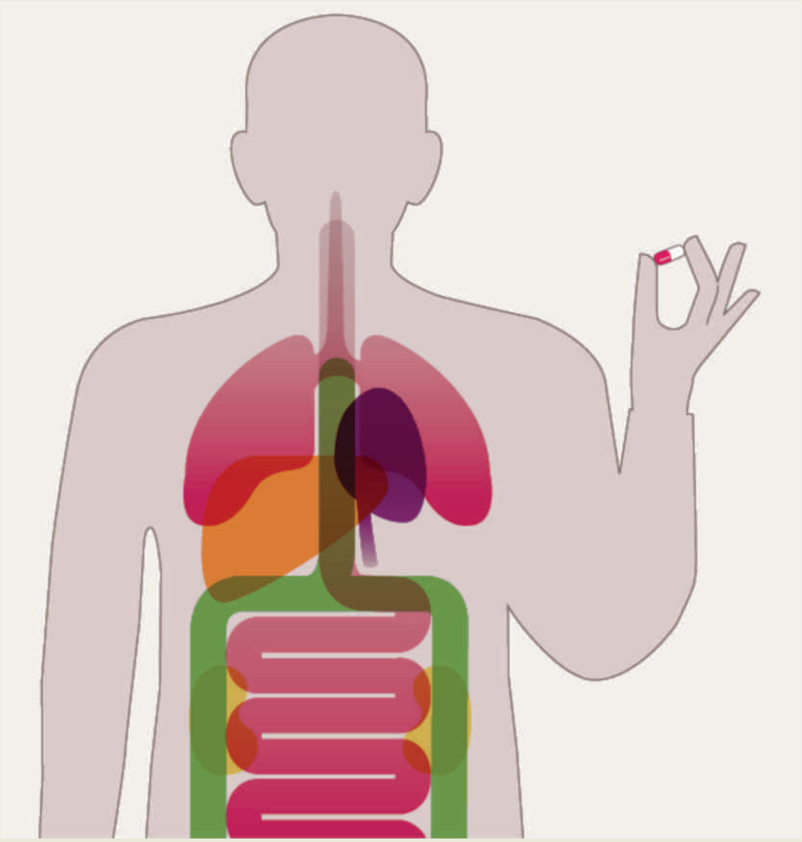

**मुख्य संदेश :**

- इन दवाओं के अनचाहे असर प्राय: नहीं होते और वे अस्थायी है।
- कभी-कभी उनसे पेटदर्द, उल्टी, दस्त या बदहाज़मा हो सकता है।
- प्राय: पेशाब का रंग लाल या गहरा होता है।
- कभी-कभी चमड़ी पर माता जैसे दाने, पीलापन या हरारत होसकती है।

# दवाओं के दुष्प्रभाव

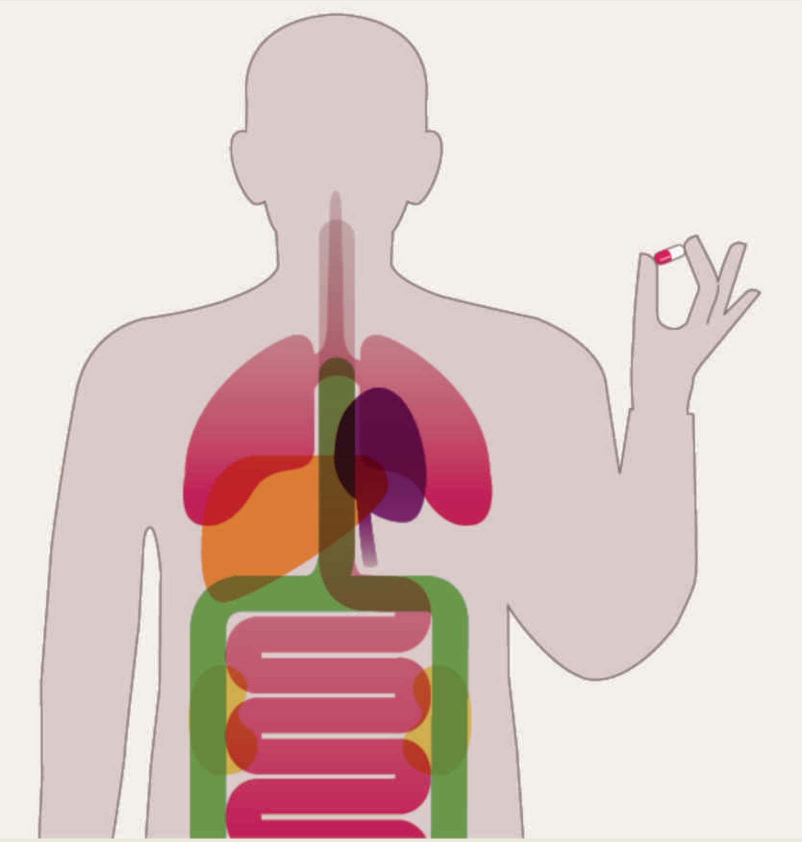

**मुख्य संदेश :**

- इन दवाओं के अनचाहे असर प्राय: नहीं होते और वे अस्थायी है।
- कभी-कभी उनसे पेटदर्द, उल्टी, दस्त या बदहाज़मा हो सकता है।
- प्राय: पेशाब का रंग लाल या गहरा होता है।
- कभी-कभी चमड़ी पर माता जैसे दाने, पीलापन या हरारत होसकती है।

**अतिरिक्त जानकारी:** – दवाइयों के अनचाहे असर कायम रहने पर स्वस्थ्य कार्यकर्ता को तुरंत सूचित करें।
– पेशाब या पसीने का लाल रंग स्वत: ही मिट जाता है उसमें कोई नुकसान नहीं है।
– कुष्ठ रोग से बचाव की दवाइयों में फायदे ज़्यादा और नुकसान कम है।

# जोख़िम और लाभ

बचाव की दवाईयां लेने से  भले ही 100% बचाव ना हो, परन्तु इस प्रक्रिया में संपर्क व्यक्तियों में कुष्ठ का निदान सही समय पर हो जाता है और भविष्य में कुष्ठ रोग होने का ख़तरा कम हो जाता है|

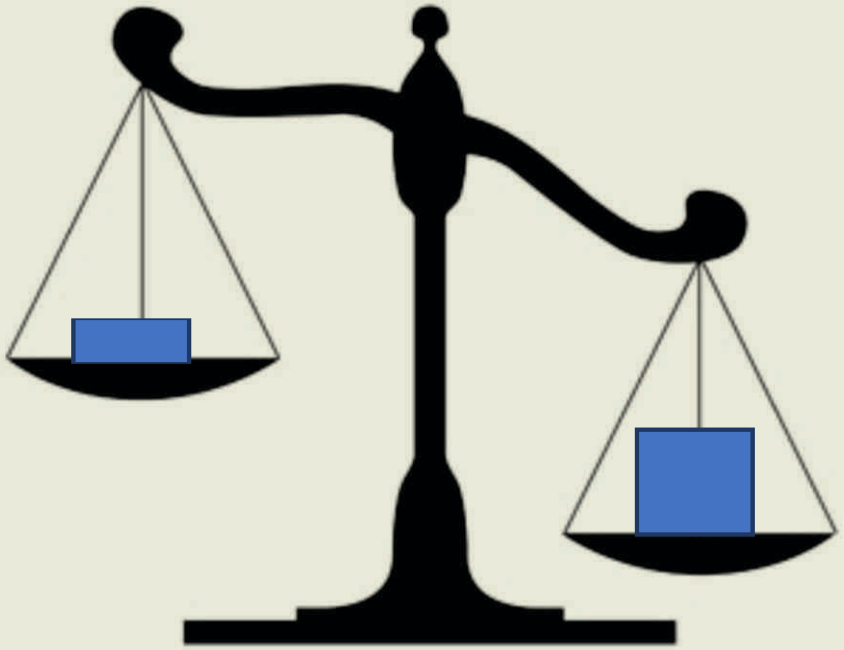

# जोख़िम और लाभ

बचाव की दवाईयां लेने से भले ही 100% बचाव ना हो, परन्तु इस प्रक्रिया में संपर्क व्यक्तियों में कुष्ठ का निदान सही समय पर हो जाता है और भविष्य में कुष्ठ रोग होने का ख़तरा कम हो जाता है।

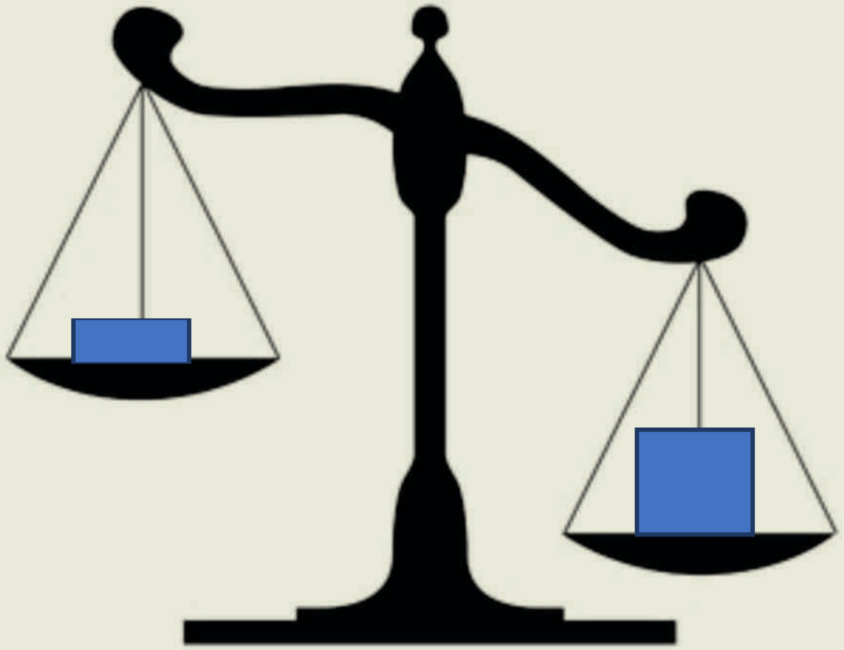

अतिरिक्त जानकारी:

मैंने समय पर कुष्ठ रोग की
दवा (एम.डी.टी.) खायी,
ठीक हो गई और
विकलांगता से बच गयी ।

एम.डी.टी. स्वास्थ्य केन्द्र और
सरकारी अस्पताल में मुफ़्त मिलती है ।

मैंने समय पर कुष्ठ रोग की
दवा (एम.डी.टी.) खायी,
ठीक हो गई और
विकलांगता से बच गयी ।

## एम.डी.टी. स्वास्थ्य केन्द्र और
## सरकारी अस्पताल में मुफ़्त मिलती है ।

# अगर हम अपने गाँव को कुष्ठ रोग से मुक्त करना चाहते हैं तो हमारी क्या ज़िम्मेदारी होगी ?

- कुष्ठ रोग के बारे में जागरूक रहें, और कुष्ठ रोग के अनुभव की खुले तौर पर चर्चा करें।
- कुष्ठ रोगी को अलग ना करें, दूरी ना रखें।
- दूसरों को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

# अगर हम अपने गाँव को कुष्ठ रोग से मुक्त करना चाहते हैं तो हमारी क्या ज़िम्मेदारी होगी ?

- कुष्ठ रोग के बारे में जागरूक रहें, और कुष्ठ रोग के अनुभव की खुले तौर पर चर्चा करें।
- कुष्ठ रोगी को अलग ना करें, दूरी ना रखें।
- दूसरों को कार्यक्रम से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें।